भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
23.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 510 का उत्तर

सिलचर रेलवे स्टेशन पर अतिथि गृह/विश्राम गृह

510. श्री परिमल शुक्ला बैद्य:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का सिलचर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए अतिथि गृह या विश्राम गृह बनाने का विचार है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का सिलचर रेलवे स्टेशन पर रेल कर्मचारियों के लिए पर्याप्त रेलवे आवासों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाने का विचार है;

(घ) यदि हाँ, तो कितने रेलवे आवासों का निर्माण प्रस्तावित है;

(ङ) क्या सरकार का सिलचर रेलवे स्टेशन से चलने वाली लोकल ट्रेनों के स्थान पर डेमू ट्रेन चलाए जाने का विचार है; और

(च) यदि हाँ, तो उक्त प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति क्या है और उक्त प्रक्रिया के कब तक कार्यान्वित होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च) : भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता, पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अधीन किए जाते हैं।

असम राज्य में स्थित सिलचर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए तीन विश्राम कक्ष (डबल बेड वाले) और एक डोरमेटरी (छह बेड वाला) मौजूद हैं। हाल के वर्षों में, सिलचर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं से संबंधित विभिन्न कार्य किए गए हैं, जिनमें प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, सर्कुलेटिंग एरिया, पहुँच मार्ग, लिफ्टों का प्रावधान आदि शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, सिलचर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत योजना के अंतर्गत विकसित करने के लिए चिह्नित किया गया है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक ऐसे रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह और प्लेटफार्म के ऊपर कवर स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 50 स्टेशन असम राज्य में स्थित हैं। असम राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
असम	50	अमगुरी, अरुणाचल, चपरमुख, धेमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, दीफू, दुलियाजान, फकीराग्राम जंक्शन, गौरीपुर, गोहपुर, गोलाघाट, गोसाई गांव हॉल्ट, गुवाहाटी, हैबरगांव, हरमुती, होजाई, जगीरोड, जोरहाट टाउन, कामाख्या, कोकराझार, लंका, लेडो, लामडिंग, माजबाट, माकुम जंक्शन, मार्गोरिटा, मारियानी, नुरकंगसेलेक, नाहरकटीया, नलबाड़ी, नामरूप, नारंगी, न्यू बोंगाईगांव, न्यू हाफलंग, न्यू करीमगंज, न्यू तिनसुकिया, उत्तरी लखीमपुर, पाठशाला, रंगापाड़ा नार्थ उत्तर, रंगिया जंक्शन, सरूपथार, सिबसागर टाउन, सिलापथार, सिलचर, सिमालुगुड़ी, तंगला, तिनसुकिया, उदालगुड़ी, विश्वनाथ चारआली

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सिलचर स्टेशन के विकास हेतु मास्टर प्लानिंग शुरू कर दी गई है। यह एक पुनरावृत्तीय प्रक्रिया है जिसमें अनुकूलन की आवश्यकता है और इस चरण में ऐसे अनुकूलन के लिए समय-सीमा को इंगित नहीं किया जा सकता।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल स्टेशनों का विकास/उन्नयन सामान्यतः योजनाशीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53

के अंतर्गत निधियों के आवंटन का ब्यौरा कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। असम राज्य को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा कवर किया जाता है। इस जोन के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्त वर्ष 2025-26 में 554 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं।

इस समय, सिलचर रेलवे स्टेशन पर 243 रेलवे क्वार्टर उपलब्ध हैं, जिन सभी में रेल कर्मचारी रह रहे हैं। रेलवे ने आवश्यकता के अनुरूप 100 अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टरों की पहचान की है और पहले चरण में 22 नए क्वार्टरों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

भारतीय रेल में पैसेंजर ट्रेन को मेमू और डेमू सेवाओं में प्रतिस्थापित करना एक सतत् प्रक्रिया है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, मेमू/डेमू रेकों की उपलब्धता, प्रतिस्पर्धी मांग आदि जैसे कारकों पर निर्भर है।

****